ट्रोंबई, मुंबई की डोल जाल पकडों में पॉम्फ्रेट किशोरों की उपस्थिति

महाराष्ट्र और गुजरात के परंपरागत संभारों में प्रमुख है डोल जाल। इसका प्रचालन तब किया जाता है जब जलधारा जाल को क्षैतिज, प्रफुल्लित और खुली स्थिति में रखने में सशक्त बन जाता है। समुद्र तल में स्थापित खम्भों में लंगार करके इस जाल का प्रचालन किया जाता है। डोल जाल का प्रचालन मुख्यत: 10 से 30 मी तक के गहराई क्षेत्र में सीमित है।

ट्रोंबई अवतरण केन्द्र एक अनन्य डोल जाल मत्स्यन केंद्र है जहाँ रोज़ लगभग 40 एककों का प्रचालन होता है। इनका प्रचालन ताने संकरी खाडी और मैंग्रोव क्षेत्र के निकट की संकरी खाडी मुँह में किया जाता है। पकड में प्रमुखत: पेनिआइड और नॉन-पेनिआइड झींगे, मल्लेट्स, श्वेत सार्डीन, सिएनिड्स, शिंगटियाँ, कर्कट, बम्बिल और झींगे, मछलियाँ और कर्कटों के किशोर पाये जाते है।

पारास्ट्रोमाटियस नाइगर के किशोर

पारास्ट्रोमाटियस नाइगर के किशोरों का अवतरण दिसंबर '03 से फरवरी 2004 के दौरान हुआ था। इसका आकार कुल लंबाई में 50-80 मि मी रैंच में था। वर्ष 2004 जनवरी के दूसरार्ध से फरवरी 04 तक *पाम्पस चिनेनसिस* का भी अवतरण हुआ था। इसका आकार कुल लंबाई में 45-75 मि मी के रैंच में था।

पॉम्फ्रेटों को साधारणतया मुंबई के शेल्फ जलक्षेत्र में ही दिखाये जाते है। मैंग्रोव क्षेत्र के निकट संकरी खाडी मुँह तक के उथले जलक्षेत्रों में किशोरों की उपस्थिति जलधारा में आ गये परिवर्तनों या खाद्य वस्तुओं की उपलब्धता के कारण तट की ओर प्रयाण सूचित करता है। किशोरों के आंत्र के विश्लेषण करने पर बडी मात्रा में अपरद और कुछ प्राणिजात वर्गों की उपस्थिति दिखायी पडी।

स्थानीय और अंतर्राष्ट्रीय बाज़ारों में पॉम्फ्रेट के लिए उच्च मूल्य मिलता है। किशोरों की निरन्तर पकड संपदा की प्राप्ति पर कमी डाली जा सकती है। इसलिए यह निरीक्षण माँग करती है कि वाणिज्यिक दृष्टि में महत्वपूर्ण मछलियों के किशोरों के संग्रहण पर कडा विनिमयन उपाय लागू किया जाए।

पत्रव्यवहार

सी.जे. जोस्कुट्टी और सुजीत सुन्दरम
सी एम एफ आर आइ मुंबई अनुसंधान केंद्र, मुंबई, महाराष्ट्र

मुख्य शब्द/Keywords

मैंग्रोव - कच्छ वनस्पति